

कार्यक्रम रिपोर्ट

१४ जनवरी २०२५ बसंत पंचमी के शुभ अवसर को महात्मा गांधी परास्नातक कालेज गोरखपुर के वनस्पति विज्ञान विभाग एवम जन्तु विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में " बायोसाइंस से बायोकोनिमी" विषय पर डॉ अभय कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती पूजन के साथ की गई। गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के ख्यातिलब्ध सह आचार्य डॉक्टर अभय कुमार ने बताया की परस्नातक के विद्यार्थी इनोवेशन और रिसर्च में भारत सरकार द्वारा इनोवेशन फंड को अपने नए वैज्ञानिक खोजो एवम शोध के लिए रिसर्च फंड के लिए आवेदन कर सकते है, उन्होंने अपने वनस्पति विज्ञान में कई ऐसे पौधो के उपर प्रकाश डाला जो कई विमारियो को ठीक करने में वैज्ञानिक शोधों में कारगर पाई गए है। डॉ अभय कुमार ने अपने खोजो एवम वैज्ञानिक शोधों के द्वारा परास्नातक एवम शोध कर रहे पीएचडी शोधार्थियो से कहा कि भारत सरकार एवम उत्तर प्रदेश सरकार स्टार्टअप कल्चर से बेरोजगारी दूर करने के लिए वैज्ञानिक शोधों एवम खोजो को बहुत प्रोसाहित कर रही है। उन्होंने परास्नातक के विद्यार्थी को नई प्रोजेक्ट वर्क तथा नई शिक्षा नीति को सही माने में परस्नातक स्तर पर खोजो और इनोवेशन की महता को समझाया। उन्होंने कई बीमारी जैसे स्ट्रोक, अल्जाईमर, ब्रेस्टकैंसर, मोटापा आदि के उपर अपने किए गए वनस्पतियो द्वारा सकारात्मक परिणाम के ऊपर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो अनिल कुमार सिंह ने बसंत पंचमी से जुड़े वैज्ञानिक और सांस्कृतिक सोच से युवा पीढ़ी को अवगत कराया प्राचार्य डॉक्टर सिंह ने बताया कि बसंत रितु शरद वर्षा एवं ग्रीष्म रितु का संतुलन है इसी ऋतु में सभी जीव स्सृजन की तरफ अग्रसर होते है। संचालन डा जितेंद्र कुमार तथा धन्यवाद जापन डा अनीता कुमारी ने दिया। कार्यक्रम में वनस्पति विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो अवनीश , डॉ उमेश कुमार गुप्त, डॉ मधुलिका, डॉ क्षमता, डॉ गौरव, डॉ शुभम, डॉ फणीन्द्र, डॉ अरुण, डॉ सुभाष एवम बड़ी संख्या छात्र छात्राओं ने उत्साह के साथ शिरकत की।



